136 64

Report

4th Conference of the Rajasthan State TUC;Jaipur 21-22 Nov 65.

......

The 4th Conference of the Rajasthan State TUC wascheld at Jaipur on the 21st and 22nd November 1965.

The decision to hold this Conference was many times postponed. The working Committee in its meeting held at Jaipur on the 15th October 1965 decided to hold the Conference on these dates at Jaipur. A Reception Committee was set up at Jaipur. The Chairman of the Reception Committee was Shri R.B.Hajela,an Independant Trade Unionist and one of the Conveners of the Joint Action Committee. The General Secretary of the RC was Shri Hiren Muckerjee, General Secretary of the Jaipur Spinning & Weaving Mills Ltd.

The Reeption Committee issued a badge for enrollment as membesrs on payment of Rupee one. More than 3500 workers purchased this badge and enrolled in the Reception Committee. A sum of Rupees 500/- was given by the Stat Roadways Workers Union and another Rs 300/- by the National Engineering Industries Mazdoor Union(Ball Bearing factory)

The participation of the delegates was very impressive. In all about 450 delegates from about 46 Unions participated. These Unions had either already paid the affoliation fees for the year to the AITUC or they paid it just before the Conference. The names of such unions as paid at the last momemnt along with the affiliation money has been sent along with Com. Satish Loomba to the AITUC Office,

The Conference was held at the Ramlila Grounds. The huge grounds on one side also had the Canteen and Eating Camp run by the Repeption Committee which gave free food and Tea to the delegates.

The Conference was presid d over by Swami Kumaranand. It was Inaugrated by Com Satish Lloomba. Messages of geetings from leaders of the Trade Union movement from all over were received. Greetings were also received from Shri Parmanand Tripathi General Secretary of Rajasthan Hind Mazdoor Sabha and Shri Mahaveer Generl Secretary of the State Hind Mazdoor Panchayat. Both of them are also conveners of the Joint Action Committee.

The Conference discussed and adopted the Report and about 16 resolutons. Resolutionsinclude Condolences on the sad demise of Comrades Vithalrao,Karyanand Sharma,S.VParulekar,Bhogale,Parab and Hamid Beg;and Chotu Singh.A resolution paying Homage to Martyrs was also passed. Other resolutions were Ani American Blackmail,for linkig of DA with CPI,implementation in full of the reports on Minimum Wages advisory Committes.making casual workers per,ament;for changes in the Bonus Law,against policy ofretrenchment,against new taxes nad power cut etc. The report dealt with the movement that has been conductedon these and other problems in the State. Thereport also outlined the features of the new situation and the need for an new orientation towards theproblem of National defence and making it fully self reliant,for measures of Nationalisation against the foreign and local vestedinterests the monopolists;and the need for

taking up the defence of the interests of the working class and fight for them in this overall context.

The report outlined the tasks of a still greater mobilisation of the workers for these national tasks as also for the immediate issues like lining DA, implementation of Minimum wages report in full making causual workers into permanent and Bonus and such matters.

There was lively discussionon the report and the resolutions. The Report and the resolutions were finally unanimously adopted many of the suggestions made by the delegates were accepted and some that were forcefully rejected by the steering committee were not pressed to vote.

The Conference finally elected a Worning Committee of 25 members and its office bearers. The elections too were unanimous. Com Swami Kumaranadd was reelected the President. Cpm. H.K.Vyas was elected the General Secretary.

On both days i.e the 21st and 22nd impressive open sessions were held at the Grounds. Com Satish Loomba delivered the inaugral speech on the 21st Swamiji deliveredhis presidentail address on the a same day. Com Ranandad leader of the Communist Group in the Assembly personally greeted the Conference on the 21st. On the 22nd in the evening even though it was a working day a procession more than 3000 strong was taken out which paraded the streets and finnaly ended in a huge rally.

Amidst scenes of Senthusiasm the Conference concludedon the night of the 22nd.

.....

Rajasthan State Trade Union Congress
List of Office bearers and members of the Working Committee
Unanimously elected at the 4th Conference (Nov 22 65)

.....

I. Swami Kumaranand	President
2. Ashraf Fouzdar	Vice President
3. Kalyan Singh	"
4. Amarchand	"
5. H.K.VYAS	General Secretary
6. Laxminarayan	Joint Secretary
7. K.Vishvanathan	"
8. Kesrimal	"
9. Jayanti Shah	Treasurar
I0. Mohan Poonamiya	Member Working Committee
II. Prem Kishan	"
I2. Iquabal Singh	"
I3. Ram Singh Atal	"
I4. Mahfooz Ahmed	"
I5. Gendilal	"
I6. Poornanand	"
I7. Jagdish	"
I8. Hiren Muckerjee	"
I9. Praveen Chandra	"
20. Avinash Chandra Bata	"
2I. Fateh Singh	"
22. Madanlal Sharma	"
23. Bhanwarlal	"
24. Roshanlal	"
25. Bharat Bhooshan	"

.....

136

A.I.T.U.C. 567 5-2-66

64

राजस्थान ट्रेड यूनियन संयुक्त संघर्ष समिति

सोमाणी भवन,
स्टेशन रोड, जयपुर
१-२-६६

राज्यव्यापी आन्दोलन के निर्णय

प्रिय साथी,

तारीख २७-२८ को जयपुर में संघर्ष समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई।

बैठक में आज राजस्थान के मजदूरों के सामने उपस्थित महत्वपूर्ण मांगों पर विचार कर राज्यव्यापी आन्दोलन का निर्णय लिया गया व कार्यक्रम बनाया गया।

पहला कार्यक्रम है ११ मार्च १९६६ को "विरोध दिवस मनाना। उस दिन विभिन्न स्थानों पर सरकारी कार्यालयों पर तथा जयपुर में विधान सभा पर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है।

यदि सरकार ने मांगे नहीं मंजूर की तो उसी दिन घोषणा कर एक दिन के लिये राज्यव्यापी हड़ताल का नोटिस दे दिया जायेगा जिसकी तारीख २९ मार्च १९६६ तय की गई है।

साथ में एक प्रति विज्ञप्ति की भेजी जा रही है। इसमें मांगों का विस्तार से उल्लेख है।

कुछ दिन बाद आपको हड़ताल का नोटिस व पेश करने के लिये मांग पत्र की नकलें भेज दी जायेंगी।

संघर्ष समिति ने यह भी तय किया है कि इन मांगों को उन पर की गई आज तक की कार्यवाही के विस्तार के विस्तार से बताते हुए सब पुस्तिका भी प्रकाशित की जाय।

इस पुस्तिका की कीमत २० न० पै० होगी। यह १५ फरवरी तक तैयार हो जायेगी। आप अपना आर्डर तथा जितनी प्रतियां मंगाये उनकी कीमत तुरन्त भेज दें।

जो साथी प्रतियों का जिम्मा ले गये थे वे तुरन्त वह रकम भेज दें।

साथियों, मीटिंगे, परचों इत्यादि से तैयारी शुरू कर दीजिये। ११ मार्च १९६६ को सफल बनाइये।

महावीर प्रसाद
एच० के० व्यास
राज बहादुर हजेला
परमानन्द त्रिपाठी
कन्वीनर्स
संयुक्त संघर्ष समिति

प्रकाशनार्थ

राजस्थान ट्रेड यूनियनों की संयुक्त संघर्ष समिति की बैठक
११ मार्च १९६६ को राज्य भर में प्रदर्शन
आगे और सक्रिय व लड़ाकू कदम

ता० २७-२८ को राजस्थान ट्रेड यूनियनों की संयुक्त संघर्ष समिति की एक आवश्यक बैठक जयपुर में हुई। बैठक में विभिन्न सैन्टरों व उद्योगों के प्रतिनिधियों के अलावा संघर्ष समिति के कन्वीनर्स सर्व श्री महावीर प्रसाद कोटा, राज बहादुर हजेला जयपुर व एच० के० व्यास उपस्थित थे।

संयुक्त संघर्ष ने वर्तमान श्रम स्थिति पर विचार किया। राज्य सरकार की श्रम नीति की कठोर आलोचना की गई। फरवरी १९६५ में माथुर कमेटी की रिपोर्ट प्रकाशित हो गई। तब से मंहगाई भत्ते को मंहगाई सूचक अंक से जोड़ने का प्रश्न लगातार टाला जा रहा है। बीच में तीन उद्योगों के लिये सरकार ने छोटी छोटी कमेटियां बना दी थी। इन कमेटियों ने भी यही निर्णय लिया है कि १९६३ के वर्ष के इन्डैक्स नम्बर को आधार मानकर प्रति पाइन्ट बढ़ौत्री के लिये ६० न० पै० के हिसाब से मंहगाई भत्ता दिया जाना चाहिए। परन्तु इन निर्णयों को भी दबाया जा रहा है।

इस दौरान में मंहगाई लगातार बढ़ती जा रही है। खुद केन्द्रिय सरकार को अपने कर्मचारियों के लिये मंहगाई भत्ता बढ़ाने के प्रश्न पर विचार करना पड़ रहा है। परन्तु राज्य सरकार चुप बैठी है।

संघर्ष समिति ने यह महसूस किया है कि इस बढ़ती हुई और लगातार बढ़ती हुई मंहगाई को देखते हुए मंहगाई भत्ते के प्रश्न पर अब चुप रहना संभव नहीं। मजदूरों में इस प्रश्न पर तीव्र असंतोष है और हर उद्योग व केन्द्र से यह मांग जोरो से उठ रही है कि १९६२ को आधार मानकर ६० न० पै० प्रति पाइन्ट के हिसाब से मंहगाई भत्ता हर औद्योगिक मजदूर को दिलाया जाना चाहिये।

बोनस के प्रश्न पर तो सरकार की नीति निर्लज्जता की हद पर पहुंच गई है। बोनस कानून के तहत बोनस दिलाने की अंतिम तारीख ३० नवम्बर १९६५ थी परन्तु सरकारी विभाग ने प्रयत्न कर शायद ही एक भी उद्योग या संस्थान के मज़दूरों को बोनस दिलाया होगा। सरकारी की सही नीति का पता तो इस बात से भी लग जाता है कि उसने बोनस न देने पर किसी औद्योगिक संस्थान पर एक भी मुकदमा नहीं चलाया। यहां तक कि श्रम अदालत का फैसला होने पर भी विद्युत मंडल अपने मजदूरों को बोनस नहीं दे रहा है। साफ जाहिर है कि सरकार इस मामले में उन्हें थापी दे रही है।

संघर्ष समिति का यह साफ ऐलान है कि इस प्रकार बोनस की अदायगी नहीं करवाना और खुद सरकार का अपने कर्मचारियों या अर्ध सरकारी कर्मचारियों जैसे विद्युत मंडल या सड़क यातायात निगम इत्यादि के मजदूरों को बोनस न दिलाना यह एक चुनौती है जिसका मजदूर प्रतिकार करेगा। संघर्ष समिति की मांग है कि यह बोनस तुरन्त अदा किया जाय।

कृ० पृ० उ०

न्यूनतम तनख्वाएं घोषित करने में सिफारिशों के महत्वपूर्ण भागों को सरकार जो लागू नहीं कर रही है इस प्रश्न पर भी संघर्ष समिति ने विचार किया।

पी० डब्ल्यू० डी० मजदूरों के लिये न्यूनतम तनखा सलाहकार समितियों व बोर्ड ने यह भी सिफारिश की थी कि इन मजदूरों को सालाना तरक्की मिले। इस सिफारिश को सरकार ने लागू नहीं किया। सड़क यातायात उद्योग के लिये सलाहकार समिति व बोर्ड ने सालाना तरक्की, रात्री भत्ता, माइलेज़ भत्ता इत्यादि सिफारिशें की थी। उन्हें भी सरकार दबा बैठी है। करीब १६ महिने हो गये परन्तु सरकार इन्हें घोषित करने को टालती जा रही है।

संघर्ष समिति ने यह तय किया है कि इन सिफारिशों को तुरन्त लागू किया जाना चाहिये और इसके लिये आन्दोलन करने का समय आ गया है।

पिछले वर्ष मई में सरकार ने इस सिद्धान्त को स्वीकार कर लिया था कि सरकारी विभागों में खासकर पी० डब्ल्यू० डी०, विद्युत मंडल, यातायात निगम इत्यादि में परमानेन्ट काम पर भी (जिसमें रिपेयर व मैन्टेनेन्स का काम शामिल माना जायगा) केजुअल, वर्क चार्ज टैम्परारी इस नाम से मजदूर रखे जाते हैं और ८-१० वर्ष हो जाते हैं परन्तु उन मजदूरों को सुविधाओं से वंचित रखा जाता है यह प्रणाली खत्म की जायेगी। इस प्रश्न पर मुकर्रर एक कमेटी ने अपना अंतिम निर्णय ८ जून १९६५ को दे दिया। सरकार अभी तक इस निर्णय को दबाये बैठे है और हज़ारों मजदूरों का शोषण कर रही है। यह अब बन्द होना चाहिए।

उपरोक्त मुख्य प्रश्नों व मांगों को प्राप्त करने के लिये संयुक्त संघर्ष समिति ने राज्यव्यापी संयुक्त आन्दोलन का कार्यक्रम बनाया है।

इसके अलावा अनाज की समस्या और विकट होती जा रही है। सरकार न तो भावों पर काबू करने में सफल हो रही है और न ही वह राशनिंग लागू कर रही है।

जनता की समस्याएं तो हल नहीं हो रही है उल्टा आन्दोलन करने वालों के भारत सुरक्षा कानून में नज़र बंद कर देती है। नागरिक अधिकारों की रक्षा का यह प्रश्न भी एक महत्वपूर्ण मांग आज मजदूर आन्दोलन के सामने है।

संयुक्त संघर्ष समिति ने यह निर्णय लिया है कि इन मांगों को प्राप्त करने के लिये राज्यव्यापी आन्दोलन शुरू कर दिया जाय।

इस आन्दोलन का पहला कार्यक्रम होगा ११ मार्च १९६६ को विरोध दिवस मनाना। उस दिन विभिन्न स्थानों पर कार्यालयों के सामने तथा जयपुर में राजस्थान विधान सभा के सामने प्रदर्शन किये जायेंगे और यदि १० मार्च तक सरकार ने यह मांगें नहीं मानी तो फिर ११ मार्च १९६६ को ही आगे के और सख्त कदम की घोषणा कर दी जायेगी।

महावीर प्रसाद
एच० के० व्यास
राजबहादुर हजेला
परमानन्द त्रिपाठी
कन्वीनर्स
संयुक्त संघर्ष समिति, राजस्थान

64

136

28 February 1966

Dear Comrade H.K. Vyas,

A convention of unions of State Road Transport Workers is being held at Chandigarh on 12th March 66 as decided by a meeting held after the General Council. The convention convenes all State Transport union in the northern Zone i.e. J & K, Punjab, Himachal, U.P. and Rajasthan. We are sending separately the posters regarding this.

You are requested to send as many delegates as possible. A representative of Punjab union will be visiting Jaipur on 7th March. You are requested to discuss the matter further with him.

With greetings,

Yours fraternally,

(Satish Loomba)

136

राजस्थान राज्य कमेटी

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस

सिन्धी कैम्प के सामने,
जयपुर।

A.I.T.U.C.
Received 1337 28/3/66
Replied

पत्रांक .... दिनांक 24-3-१९६६.

श्री सेक्रेट्री
आल इन्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस,
नई दिल्ली।

प्रिय साथी,

आपका सर्कुलर दिनांक 18-3-66 का मिला जिसमें नजरबन्दियों की रिहाई के लिये सप्ताह मनाने का आवाहन किया गया है।

जैसा कि आप जानते हैं राजस्थान ट्रेड यूनियन संघर्ष समिति ने 29 मार्च को राजस्थान बंद का आवाहन किया है और इस समय यहाँ 29 मार्च की पूरी तैयारियाँ चल रही हैं। प्रतिदिन आम सभाओं में व प्रदर्शन में नजरबन्दियों की रिहाई बात को उठाया जारहा है।

साथी एच. के. व्यास ने भी तारीख 22-3-66 से अनिश्चित काल के लिये भूख हड़ताल प्रारम्भ कर दी है।

२९ मार्च को राजस्थान बंद

जयपुर की तमाम ट्रेड युनियनों की अपील

सरकार की मजदूरविरोधी नीति पर चोट करने, बोनस, पूरा मंहगाई भत्ता, व पक्की नौकरी हासिल करने के लिए

२९ मार्च की आम हड़ताल को कामयाब बनाओ

२२ मार्च से साथी एच. के. व्यास की भूख हड़ताल चालू हो गई

मजदूर भाइयों,

११ मार्च १९६६ को जयपुर के मजदूरों ने अपने आन्दोलन के इतिहास में एक नया अध्या यलिखा। उस दिन जयपुर के प्रत्येक कारखाने के, पी.डब्लू.डी. व बागायत के, सी.टी.एस. व होटलों व सिनेमा के हर धंधे के मजदूरों ने एक दिन की हड़ताल कर विधान सभा के सामने शानदार प्रदर्शन किया।

अब २९ मार्च १९६६ को राजस्थान ट्रेड युनियन संयुक्त संघर्ष समिति ने आह्वान किया है कि एक दिन के लिये पूरे राजस्थान में आम हड़ताल की जाय व राजस्थान बंद किया जाय।

आप जानते हैं कि बिजली घर के मजदूर भाइयों की ८ मार्च ९६६ से भूख हड़ताल चल रही है। साथी कृष्णकान्त वर्मा व अन्य साथियों का १५-१६ पौण्ड वजन कम हो गया है। यह भूखहड़ताल का कार्यक्रम राजस्थानव्यापी बन गया है। १५ को जोधपुर, १६ को बीकानेर, १७ को अलवर व फिर जयपुर तथा २१ को कोटा इस प्रकार सब स्थानों पर बिजली घर के मजदूरों की भूख हड़ताल चालू हो गई है। आज किशनगढ़ में भी चालू हो जायगी।

इतने बड़े आन्दोलन और १५ दिन तक भूख हड़ताल के बावजूद सरकार कानों में तेल डाले बैठी है। उल्टा उसने मजदूरों पर दमन शुरू कर दिया है। एग्रीकल्चर वर्कशाप की यूनियन की कार्यकारिणी के हर साथी को नई पोस्टों व स्थानों पर गैरकानूनी तरीके से कोटा, नागौर, चितौड़ इत्यादि स्थानों पर जाने के आदेश निकाल दिये हैं।

इस जुल्म व ज्यादती के खिलाफ २१ तारीख को एग्रीकल्चर वर्कशाप के ३ साथी भूख हड़ताल पर बैठ गये हैं।

सरकार की इस मजदूर विरोधी व दमनकारी नीति के खिलाफ हमारे प्रिय साथी एच. के. व्यास ने खुद ने आज २२ मार्च १९६६ की सुबह से भूख हड़ताल चालू करदी हैं।

साथियों, राजस्थान की सरकार अपने पैसे बचाने के लिये तथा पूंजीपतियों के हितों की रक्षा करने के लिये मजदूरों की न्यायोचित मांगों को पूरा नहीं कर रही है।

१९६४ में न्यूनतम तनखा बोर्ड ने यह सिफारिश की थी कि जुलाई १९६२ के बाद जितना मंहगाई सूचक अंक बढ़ा उस पर प्रति पांच पाइन्ट पर ३ रु० मंहगाई भत्ता दिया जाय। माथुर कमेटी ने फरवरी १९६५ में यह सिफारिश की थी कि प्रति पाइन्ट बढ़ोत्री पर ६० पैसे के हिसाब से मंहगाई भत्ता दिया जाय। परन्तु बाजार में कमरतोड़ मंहगाई बढ़ जाने के बावजूद सरकार मंहगाई भत्ते में वद्धि नहीं कर रही है और मंहगाई सूचक अंक के बराबर मंहगाई भत्ता नहीं दे रही है।

यदि इन सिफारिशों को माना जाय तो हर मजदूर को आज करीब २२.५० रु० मंहगाई भत्ता मिलना चाहिये। परन्तु पूंजीपतियों की मनोवृति वाली, अरबपतियों की दलाल यह सरकार मजदूरों के इस हक को छीने बैठी है।

यही स्थिति बोनस की है। बोनस कानून बन गया। दिसम्बर १९६५ में भारत सरकार ने घोषणा की कि सरकारी औद्योगिक कर्मचारियों को भी बोनस दिया जायगा। उसके बाद पंजाब सरकार ने एलान कर दिया है कि वह सब सरकारी कारखानों के मजदूरों को बोनस देगी। पंजाब विद्युत मंडल ने भी बोनस देने की घोषणा करदी। हालही में मद्रास सरकार ने भी इसी आशय की घोषणा की है।

परन्तु राजस्थान सरकार न तो विद्युत मंडल के मजदूरों को बोनस देना स्वीकार कर रही है और न ही दूसरे विभागों के सरकारी औद्योगिक मजदूरों को बोनस दे रही है।

सब जानते हैं कि राठी व कमानी की झूठन चाटकर सरकार ने बोनस कानून को ही रद्द करवाने के लिये हाईकोर्ट में अर्जी कर रखी है।

मजदूरों की अन्य मांगों व समस्याओं पर भी सरकार का ऐसा ही निकम्मा रुख है।

इसीलिये मजदूर साथियों यह आवश्यक है कि सरकार की इस मालिकपरस्त, सेठनुमा नीति पर जोरदार चोट की जाय।

राजस्थान की ट्रेड यूनियनों की संयुक्त संघर्ष समिति ने यह आह्वान किया है कि २९ मार्च १९६६ को राजस्थान बंद किया जाय।

आइये उस दिन हम सब कारखानों के भाई, यातायात निगम व सीटीएस के भाई, होटल व सिनेमा के भाई यहां तक कि रिक्शा, तांगा स्कूटर हर प्रकार के मजदूर एक दिन की हड़ताल कर काम बन्द कर विशाल जन प्रदर्शन करें।

आम जनता भी टेक्सों से परेशान है। जयपुर शहर में पीने को पानी मिलना तक मुश्किल होता जा रहा है। आम जनता की इन तकलीफों के लिये अपना रोष प्रकट करने के लिये वह सब लोग भी आगे आयें।

कारखाने २ से हर इलाके से हर धन्धे से यही नारा गूंजे कि २९ मार्च को काम बंद रहेगा।

मजदूर एकता जिन्दाबाद — लाल झंडे की जय

जयपुर स्पिनिग, मेटल, बालबियरिंग, मान, रोडवेज, सीटीएस, एग्रीकल्चर वर्कशाप इत्यादि समस्त युनियनों की ओर से

इस कार्यक्रम को कामयाब बनाने के लिये सभाओं व जुलूसों का तारीखवार कार्यक्रम—

२३. जयपुर रेलवे स्टेशन पर	२६. चांद पोल गेट
२४. रामगंज चौपड़ पर	२७. छोटी चौपड़
२५. माणक चौक चौपड़	२८. माणक चौक चौपड़

जयपुर शाखा संयुक्त ट्रेड यूनियन संघर्ष समिति

मधु प्रिन्टर्स, चौड़ारास्ता, जयपुर।

फार्म एल (नियम ७१ देखिये)

[आवश्यक सेवा से सम्बन्धित कर्मचारियों द्वारा कामबन्दी के बारे में दी जाने वाली सूचना]

यूनियन का नाम..

कार्यालय का पता..

....

सेवा में :—

श्री..

....

महोदय,

औद्योगिक विवाद अधिनियम १९४७ की धारा २२ उपधारा (१) के अधीन आपको सूचित किया जाता है कि निम्न मांगों के लिए हम दिनांक २९ मार्च १९६६ को एक दिन की सांकेतिक हड़ताल कर रहे हैं।

हमारी मांगें

(१) माथुर कमेटी की सिफारिश के अनुसार व तीन उद्योगों के लिए बनी अन्य कमेटियों के निर्णय के अनुसार सब उद्योगों को महंगाई भत्ता महंगाई सूचक अङ्क के अनुसार दिया जाय। यह भत्ता १९६२ की जनवरी से जून तक के अरसे को आधार मान प्रति पाइंट पर ६० पैसे के हिसाब से दिया जाय। १.३.६५ से जबसे माथुर कमेटी की सिफारिश प्रकाशित हुई तब से आज तक का उपरोक्त लिखे हिसाब से एरियर पैसा दिया जाय।

(२) विद्युत मण्डल की रिट वापिस कराकर उन मजदूरों को १९६३–६४ व ६४-६५ का बोनस तुरन्त बांटा जाय।

यातायात निगम, प्रेस, वाटर वर्क्स अन्य कारखानों शुगर मिल, डिस्टिलरी एग्रिकल्चर इत्यादि सब अर्ध सरकारी व सरकारी संस्थानों के मजदूरों को बोनस तुरन्त बांटा जाय। निजी क्षेत्र में मालिकों पर दबाव तथा मुकदमे चलाकर सख्ती कर बोनस बंटवाया जाय।

(३) न्यूनतम तनख्वा कमेटी व बोर्ड की सालाना तरक्की, तथा यातायात उद्योग के लिए रात्रि भत्ता, माईलेज अलाउन्स व हाल्ट के भत्ते इत्यादि की जो सिफारिशें दबाई गई हैं उन्हें तुरन्त घोषित कर लागू किया जाय।

(४) पी० डब्ल्यू० डी०, बागात, यातायात निगम, विद्युत मण्डल, एग्रीकल्चर, इत्यादि संस्थानों में पक्का व लगातार काम करने वाले मजदूरों को (जिसमें रिपेयर व मेन्टेनेन्स का काम भी शामिल है) पक्का किया जाय। इस प्रश्न पर दिए गए आश्वासन व समिति को रिपोर्ट को तुरन्त लागू किया जाय।

(५) महंगाई पर रोक लगाई जाय। बड़े कस्बों में तुरन्त राशनिंग लागू की जाय।

(६) आपत्कालीन स्थिति खत्म कर नजरबन्द कार्यकर्त्ताओं को रिहा किया जाय।

दिनांक : (7) राज बीमा योजना, विद्युत कर्मचारियों के उत्पीड़न आदि भवदीय

11-3-66

मन्त्री/अध्यक्ष

प्रतिलिपि (१) श्रम एवम् समझौता अधिकारी..............................

(२) श्रम आयुक्त, राजस्थान सरकार, जयपुर

(३) मुख्य मंत्री, राजस्थान सरकार, जयपुर

(४) श्रम मन्त्री, राजस्थान सरकार, जयपुर

(५) संघर्ष समिति, राजस्थान, जयपुर

मन्त्री/अध्यक्ष

टेलीफोन ६२३३७

राजस्थान ट्रेड यूनियन संघर्ष समिति

सिन्धी कैम्प के सामने,
स्टेशन रोड,
जयपुर।

सरकार दिये आश्वासनों से फिसल रही है,
अपनी एकता व प्रदर्शन के जरिये सामने लाइये।

प्रिय साथी,

२६ मार्च १९६६ राजस्थान के मजदूरों के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय रहा है। राजस्थान सरकार ने इस आन्दोलन के विरुद्ध झूंठा प्रचार किया। इन्टकी नेता व जनसंघ ने इसका कस कर विरोध किया। २७ मार्च रात को सैकड़ों कर्मचारी भूखहड़तालियों को भारत सुरक्षा कानून में पकड़ लिया गया। उसी रात व दूसरे ही दिन में सारे राजस्थान में करीब १५००-२००० कार्यकर्ता गिरफ्तार किये गये हैं। सरकारी आंकड़े गिरफ्तारी के मामले में भी एक दम झूंठे हैं।

सरकार ने धारा १४४ लगादी। पुलिस का उपयोग कर, गिरफ्तारियां कर दहशत फैलाने की कोशिश की। यहां तक कि महत्वपूर्ण केन्द्रों पर तो ऐसा लगता था जैसा फौजी शासन कायम हो गया है। परन्तु राजस्थान के बहादुर मजदूरों ने इन सब स्थितियों का मुकाबिला किया। जो रिपोर्टें मिली हैं उनसे यह स्पष्ट है कि २६ मार्च का कार्यक्रम शानदार रूप से कामयाब रहा।

उसके बाद ५ अप्रैल को राज्य सरकार के मुख्य मंत्री श्री सुखाड़िया ने हमारे साथियों के० जी० श्री वास्तव, मंत्री ए० आई० टी० यू० सी०, स्वामीजी व रामानन्दजी को पत्रलिख कर आश्वासन दिये। इतना ही नहीं बातचीत के दौरान उनको पूरी तसल्ली दिलाई कि इन प्रश्नों को बहुत शीघ्र हल किया जायगा।

परन्तु सरकार अपने आश्वासनों से फिसल रही है। साथ में एक बयान संलग्न है जिसमें मुख्य प्रश्नों का संकेत है।

ऐसी स्थिति में विक्टमाईजेशन व दमन के खिलाफ, सरकार की वादा खिलाफी के प्रतिरोध में तथा अपनी उन्ही मुख्य मांगों के लिये अपनी एकता व ताकत का इजहार करना होगा।

स्थान स्थान पर उठे प्रश्नों पर सभा, प्रदर्शन इत्यादि तरीकों से आन्दोलन निर्माण करने के काम में तुरन्त लग जाइये।

सरकार को चेतावनी दें कि यदि इसका हाल यही रहा तो राजस्थान का मजदूर हल लेवे संघर्ष का रास्ता अपनायेगा।

अपने अपने स्थान की २६ मार्च की पूरी रिपोर्ट भेजें। साथ ही अभी के कार्यक्रमों की रिपोर्ट भेजते रहो।

आपका साथी
(एच०के० च्यास)
कन्वीनर

प्रकाशनार्थ

राजस्थान ट्रेड यूनियन की संयुक्त संघर्ष समिति के कन्वीनर साथी एच० के व्यास ने निम्न वक्तव्य प्रसारित किया है।

" राजस्थान के मजदूरों के बहादुराना संघर्ष तथा सरकारी कर्मचारियों के अभूतपूर्वक आन्दोलन के कारण राज्य सरकार को मजबूर हो कर महंगाई भत्ते में ५ रु० और १० रु० की अन्तरिम बढ़ोतरी की घोषणा करनी पड़ी।

सरकार की इस घोषणा से किसी को भी सन्तोष नहीं हुआ और न ही इससे महंगाई भत्ते को महंगाई सूचक अंक से जोड़ने की समस्या का समाधान हुआ है।

यह अन्तरिम बढ़ोतरी केवल सरकारी संस्थानों के कर्मचारियों व मजदूरों के लिए लागू है। इनके लिए भी यह एकदम नाकाफी है। आवश्यकता तो इस बात की है कि महंगाई भत्ते को महंगाई सूचक अंक से जोड़ा जाय। इस प्रश्न पर सरकार चुप्पी साधे बैठी है। राज्य सरकार के कर्मचारी संगठन केन्द्रीय सरकार के बराबर महंगाई भत्ते की मांग के लिए एक विस्तृत शिष्ट मंडल दिल्ली जा रहा है।

जहां तक निजी क्षेत्र के मजदूरों का प्रश्न है उन्हें यह अन्तरिम राहत भी नहीं मिली है। फरवरी १९६४ से आज तक सरकारी क्षेत्र के मजदूरों को अन्तरिम राहत के कुल २०) रु० दिये गये हैं जो उनके लिए भी नाकाफी हैं परन्तु निजी क्षेत्र में यह २०) रु० की अन्तरिम राहत भी नहीं मिली है। कुछ उद्योगों में लगभग १० रु० की अन्तरिम राहत दी गई है। निजी क्षेत्र के मजदूरों के महंगाई भत्ते का प्रश्न और तीव्रता से गया है।

इस प्रश्न को हल करने के बजाय राज्य सरकार लगातार टालमटोल कर रही है। २८-२९ अप्रैल को श्रम सलाहाकार मंडल की मीटिंग बुलाने की बात थी परन्तु अब मालूम हुआ है कि यह मीटिंग ६ मई को होने जा रही है। कई उद्योगों में मजदूरों पर विक्टमाईजेशन किया जा रहा है।

मैं राज्य सरकार को चेतावनी देना चाहता हूं कि यदि महंगाई भत्ते को महंगाई सूचक अंक से जोड़ने के प्रश्न पर तुरन्त ठोस कदम नहीं उठाया गया तथा दिये गये आश्वासनों के अनुसार बोनस कैज्यूअल मजदूर इत्यादि मांगों को पूरा नहीं किया गया तो राजस्थान का मजदूर इन हकों के लिए एक लंबी लड़ाई के लिए मैदान में उतरेगा और उस स्थिति की सारी जिम्मेवारी सरकार की होगी।

Cable: "AITUCONG" Telephones: 57787 & 54740

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन काँग्रेस
ALL-INDIA TRADE UNION CONGRESS

5-E, Jhandewalan, Rani Jhansi Road, New Delhi — 1

President: S. S. MIRAJKAR
General Secretary: S. A. DANGE

64

136

7 April 1966

IMMEDIATE

Dear Comrade,

The recent struggle of Electricity workers in Rajasthan with the 22 days Hunger Strike of the president of the Federation , Com. Krishna Kant and later of 14 days hunger strike by Com. H.K. Vyas is just over. According to the agreement with the Chief Minister of Rajasthan the following two issues have to be decided in accordance with the practice followed in Electricity Undertakings in other States: i) Payment of Bonus according to Bonus Act & ~~XXXXX~~ ii) exemption from the operation of E.S.I. Scheme as existing facilities without any deduction from the workers are better. The Govarment of Rajasthan is trying to find out the position from various States. In order that they are not able to mislead and in order to strengthen the case of the workers with factual information. You are kindly requested to send immediately whatever be the present position in this respect on the following address with a copy to us.

The General Secretary,
Rajasthan State Committee of AITUC,
Station Road, Near Sindhi Camp,
JAIPUR, (Rajasthan)

Please also let us know if your Electricity Board has gone in for Writ Petition or intervention in the case before the Supreme Court challenging the validity of Bonus Act.

The Electricity Board of Rajasthan has gone in a Writ Petition before the High Court challenging :

i) applicability of the Bonus Act to Electricity undertakings; and
ii) its applicability with the retrospective effect i.e. payment of Bonus for the year 1963-64 according to Bonus Act.

If the Electricity workers in your State are exempted

Cont....

Cable: "AITUCONG" Telephones: 57787 & 54740

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन काँग्रेस
ALL-INDIA TRADE UNION CONGRESS

5-E, Jhandewalan, Rani Jhansi Road, New Delhi — 1

President: S. S. MIRAJKAR
General Secretary: S. A. DANGE

from the E.S.I. Scheme it will be necessary to send existing facilities enjoyed by the workers.

The Chief Minister of Rajasthan has agreed in a communication to us that these x issues will be discussed and decided in a tripartite Standing Committee meeting to be held on 13th April at Jaipur.

You are, therefore, requested to immediately furnish the information to Jaipur on the address given above with a copy to us. If necessary the information may be supplemented subsequently.

Please treat this as most urgent.

With greetings,

Yours fraternally,

(K.C.Sriwastava)
Secretary

64

BIKANER DIVISION TRADE UNION COUNCIL,
(Head Office:-1.Khazanchi Building, Bikaner).

No. 1796 Bikaner 2.8.66

To

All India Trade Union Congress,
New Delhi.

Rajasthan State Trade Union Congress,
Jaipur.

A. I. T. U. C.
Received 4030 2/4/66.

Sub:- Opening of A.T.U.Office at Nagore.

Dear Sir,

It is to inform you that a District level office of Trade Unions has been opened at Nagore City for the organisational work in this Distt. with the Joint Management of the following Unions:-

1. Gypsum Mine Workers Union, Bhadwasi.
2. Nagore Distt.Metal Iron & Steel Workers Union,Nagore.
3. Municipal Karamchari Union, Nagore.

Following branches of the Circle unions are also participate in this office

1. Jodhpur Division P.W.D. Employees Union,Jodhpur.
2. Bigalighar Karamchari Union, Jodhpur.

Following branches of All India Orgsnisations are also co-operate us.

1. All India Bank Employees Union.
2. All India Insurance Employees Union.
3. All India P & T(IV Class)Employees Union.

The address of the union is:-

Bikaner Division Trade Union Council,
Near Power House(Maszid),Nagore.
Rajasthan.

Kindly make contract on the above noted address in connted with the organisational work in Nagore Distt. on the name of Shri Ibrahim, Office Secretary.

Thanking you.

Yours faithfully

B-Bhushan

(Bharat Bhushan Arya)
General Secretary.

Copy to :-

Shri Ibrahim, Office Secretary, Nagore Distt. Office at Nagore.

General Secretary.

136

64

Bikaner Division Trade Union Council
(1, Khazanchi Building, Bikaner).

No. 1763 Dt/- 27/7/66

3584 4/8/66

The Director,
Central Board of Workers Education,
Dharam Paith, Extended, Nagpur (M.P),

Sub:- Workers study Circle.

Dear Sir,

I bring to your kind notice that we are running a study circle for the office bearers and active trade union members of our affiliated unions in our region which includes Bikaner, Ganganagar, Churu, Sikar, Jhunjhanun, and Nagore District and our membership in the various Industries and ~~xxxxxxx~~ establishment is sprade ~~oun~~ in whole region such as Electricity, Water Works, P.W.D., Textiles and Sugar Mills, Metal, Iron and Engineery, wool, Tile, Printing Presses, Gypsum, Railway Porters and Agricultura and Canal workers Unions and some of the state federations are also included.

We have prepare avery good sulibus for study of the workers Education in the terms of 6 months regular classes and also we granted a certificate of training after examining them.

Our specility is to trained the workers teachers and officers of the Union in the practical field work and good study on the Labour Laws and dealing all type of cases and problems arised inday to day working ofthe Unions.

We required some financial and other type of aid to smooth running of these classes also to extent the study circles in the other Districts.

Kindly let this office know if your organisation can grant some aid or help of any type and the procedure to get the same.

Awaiting early reply.

Yours faithfully

Sd/-

(Bharat Bhushan Arya)
General Secretary

Copy to All India Trade Union Congress, New Delhi.

B. Bhushan
General Secretary.

136 64

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस,

I. T. U. C.
Received 27/10/66
Replied

बीकानेर डिविजन कार्य्यालय, बीकानेर

सरकूलर नम्बर १/६६ दिनांक २५-९-१९६६

– संगठनात्मक दौरे का कार्यक्रम –

प्रिय साथीयों !

तमाम डिविजन भर में यूनियनों के संगठनात्मक कार्यों के लिये यूनियन कार्यकर्ताओं ने पूरे डिविजन में दौरे का कार्यक्रम बनाया हैं इसमें बीकानेर, चूरू, गंगानगर, सीकर, झुंझनू व नागौर जिले भी सामिल होंगे। अतः बीकानेर से तमाम उद्योगों की यूनियनों के कार्यकर्ता जिनका उन जिलों में काम फैला हुआ है एक २ साथ साथी–भारत भूषण आर्य्य जनरल सेक्रेट्री के नेतृत्व ने घूमेंगे जिसका कार्यक्रम नीचे लिखा जाता है। अतः तमाम संबंधित साथियों से निवेदन है कि वे अपने २ क्षेत्र में तमाम लोगों को सूचित कर दें तथा निश्चित दिन को उन स्थानों पर इकट्ठे हो जावें। सभी स्थानों पर शाम को ५ बजे या ८ बजे तमाम यूनियनों की सम्मलित मिटिन्गें रखी जावे व दिन में अधिकारी वर्ग स मिलने का कार्यक्रम रखा जावे। रात के समय मुकदमें लिखने व केश तैयार करने का काम भी किया जावेगा।

माह—अक्टूबर ता०१. बीकानेर २. बीकानेर ३. सूरतगढ़-रायसिहनगर ४ रायसिहनगर-करणपुर ५ से ७ तक श्री गंगानगर ८–९ हनुमानगढ़ १०–११ बीकानेर १२. श्री डूंगरगढ़ १३ सरदारशहर रतनगढ़ १४. रतनगढ़ १५. सुजानगढ़ १६–१७ चूरू १८. राजगढ़ १९–२० बीकानेर २१. नोखा, सुजाननढ़ २२. सुजानगढ़–लाडनू २३, लाडनू–डीडवाना २४. सीकर २५ नवलगढ २६. चिड़ावा २७. खेतड़ी २८ नीम का थाना २९. चौमू ३०–३१ जयपुर।

भवदीय
सुलतान मौहम्मद
कार्यालय मन्त्री

| अपनी सदस्यता बढ़ाइये |

प्रतिलिपि—सूचनार्थ एवं प्रबन्ध हेतु श्री..

नोट—१. प्रत्येक स्थान पर २ दिन पहले सभी यूनियनों के लोग मिल कर कार्यक्रम तय कर लें अपनी २ अलग एवं सम्मिलित मिटिन्गे रख ले। २. आस पास के इलाके में फैले मजदूरों को भी सूचना भेज दें। ३ प्रत्येक स्थान पर अपना २ मांग पत्र पहले से ही तैयार कर लिया जावे ४. जहां पर चुनाव नहीं हुए हैं वहां चुनाव भी किए जाएंगे। ५. यह पैम्फलेट सभी स्थानों पर बांटा व चिपका दिया जावे ६. सभी साथी यूनियन का हिसाब भी तैयार रखेगें ७ इन सभाओं में सदस्यता पत्र भराए जाएंगे अतः सभी साथी सदस्यता प्रवेश फीस २) रु० साथ लेकर आवें ८. सभी स्थानों पर बिजलीघर, पी०डब्ल्यू०डी० व वाटर वर्कस की साथ २ मिटिन्गें होंगी।

★ जनमो प्रिन्टिंग प्रेस, बीकानेर।

135

64

INVEST WISELY Buy NATIONAL SAVINGS CERTIFICATES

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

A. I. T. U. C.
Received 4641 6/10/[illegible]
Replied

Class Prefix 9 Code 14.50

No. C

Office-stamp 130

Recd. from

By

Sent at

To

By

Handed in at (Office of Origin)	Date	Hour	Minute	Service Instructions	Words
49 Phagwara	1			[illegible]	50

TO Secretary [illegible] All India Trade union Congress
ND =

Recd here at	H.	M.

Bomb Exploded on the hunger strikers Camp leaders wounded casualties twelve reaches soon //

All india Trade union Congress Phagwara //

MGIPAh.—1356—17-12-63—2,59,600 Bks. (T-30-5/53)

135

64

Workers of All Countries Unite

TRADE UNION COUNCIL

Ref. No.

PATIALA

A.I.T.U.C. Received 5025 29-10-66 Replied

"This Rally of Patiala Transport and Engineering Workers sends its warm fraternal greetings to the heroic workers of Japan who have come to action in a big way under the leadership of Sohyo,against the barbaric and dastardedly war of agression launched by the U.S.Imperialism against the Democratic Republic of Vietnam and the brave South Vietnamese people.The 21st October action is a glorious example of international solidarity of the working class and is an expression of the determination of the world democratic movement to secure for the vietnamese people their right to freedom,peace and progress.

The Rally pledges to emulate the path illumined by the Japanese working class and demands an immediate end to the criminal imperilist intervention and agression in Vietnam, evacuation of all U.S.Forces from that Country and restoration of peaceful conditions which are so very essentatlial for the peace and prosperity in Asia.

Endst.No. 1352/66
Dated: Oct;24th.1966

Copies are forwarded to

1.The President,Sohyo(Japan)as token of fraternal solidarity with the action of the Japanese workers.

✓2.The AITUC;NewDelhi for information

With Greetings

Yours fraternally,

Tejinder Singh

(Tejinder Singh)
General Secretary

TUR
55-1